दृष्टि The Vision

इतिहास (वैकल्पिक विषय)

(विश्व इतिहास)

8 Test

निर्धारित समयः तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंकः 250
Maximum Marks: 250

DTVF/19 (J-S)–M–H4

Name: SUNIL

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): HINDI

Reg. Number: Awake-19 B13

Center & Date: DELHI 30/07/19

UPSC Roll No. *(If allotted)*: 7105724

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) "सामाजिक संविदा जिसकी रचना शैली सशक्त तथा तर्क अकाट्य थे, रूसो के विचारों व आदर्शों की पुष्टि करते हैं।" विवेचना कीजिये।

"Social contract whose composition style was strong and logically irrefutable confirms Rousseau's ideas and ideology." Discuss.

सामाजिक संविदा = फ्रांसीसी विचारक रूसो द्वारा प्रतिपादित राज्य उद्भव की अवधारणा।

प्रमुख तत्त्व -

(i) हॉब्स की तरह जनता ने किसी एक व्यक्ति को अथवा लॉक की तरह एक समूह को संप्रभुता नहीं सौंपी है।

(ii) प्रत्येक व्यक्ति ने एक-दूसरे को अधिकार सौंपे व प्राप्त किए है।

(iii) यह संप्रभुता के जनता में निहित होने, उससे पृथक न होने को भी संदर्भित करता है।

विशेषता -

सशक्त रचना शैली = संप्रभुता जनता में ही निहित → निरंकुश शासक की अवधारणा पर आघात।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

b. जनता सर्वोपरि → जन संप्रभुता के विचार को बढ़ावा मिला।

अकाट्य = a. गणतंत्र के विचार को समर्थन।

b. संशोधन का व्यावहारिक स्वरूप।

वस्तुत: सामाजिक संविदा का सिद्धांत रूसो के केवल तर्क की बजाय भावना पर भी बल देने, आरंभिक समाजवाद के लक्षण, सामान्य इच्छा सिद्धांत, समानतावाद तथा स्वच्छंदतावाद की पुष्टि करता नजर आता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 19वीं शताब्दी में राष्ट्रीयता के प्रादुर्भाव ने बेल्जियम से डच साम्राज्य का विघटन सुनिश्चित किया। चर्चा कीजिये। 1833

In the 19th century, the emergence of nationalism ensured the disbandment of the Dutch empire from Belgium. Discuss.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1815 की विएना कांग्रेस में क्रांति के विचारों का दमन करने, पुरानी राजसत्ता की पुनः बहाल करने के लिए बेल्जियम का स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखने की बजाय उसे पड़ोसी क्षेत्र (हॉलैण्ड) के साथ संयुक्त कर दिया।

परिस्थितियों में परिवर्तन -

(i) मैटरनिख व विएना व्यवस्था के प्रति उभरता विरोध।

(ii) उदारवाद व राष्ट्रवाद की भावना का प्रसार → विभिन्न क्षेत्रों में अल्पसंख्यक समूह अपने पृथक् राष्ट्र की माँग तीव्र करने लगा जैसे ऑटोमन साम्राज्य, हैप्सबर्ग साम्राज्य।

(iii) शासकों का निरंकुश आचरण, दोषपूर्ण प्रशासनिक व्यवस्था

(iv) शिक्षा व स्वतंत्र विचार पर

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रतिबंध
(v) रूढ़िवादी चर्च का पुनरुत्थान
इसी क्रम में 1820 के विद्रोह - पीडमोंट, यूनान ने कुछ नई संभावनाओं को जन्म दिया।
1830 के फ्रांसीसी विद्रोह से शुरू एक अन्य ज्वाला ने इन संभावनाओं को नए आयाम दिए।
ब्रिटिश औद्योगीकरण के प्रभाव, बेल्जियम के स्वतंत्रता संग्राम आदि के परिणामस्वरूप 1833 में बेल्जियम हॉलैण्ड से पृथक् हो गया।
इसी क्रम में वियना व्यवस्था के पतन को भी गति मिली।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) "द्वितीय विश्वयुद्ध का आरंभ 1939 ई. में न होकर 1919 ई. में माना जा सकता है।" कथन का तार्किक विश्लेषण कीजिये।

"World War II was not started in 1939 and can be considered in 1919." Analyse the statement logically.

कोई भी घटना किसी कार्य विशेष का तार्किक परिणाम होती है। WW-II के संदर्भ में भी यह बात लागू होती है।

WW-II का आरंभ 1919 में -

(i) वर्साय की संधि के कठोर, असंभव अपमानजनक, प्रतिशोध आधारित प्रावधान → तार्किकता: जर्मनी का पुन: शक्तिशाली बनने पर प्रतिरोध करना अवश्यंभावी था।

(ii) LON का कमजोर संस्थागत ढांचा → विवाद समाधान कर पाने की क्षमता प्रारंभ से ही कमजोर थी।

(iii) तुर्की की साम्राज्यवादी लिप्सा को शांति नहीं मिली → कालांतर में उसने बदला ले लिया।

(iv) मार्शल फॉच के शब्दों में - 'यह शांति संधि नहीं, 20 वर्षों के लिए युद्ध विराम संधि है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1919 के पश्चात की परिस्थितियों का योगदान -

(i) ब्रिटेन, फ्रांस की तुष्टीकरण की नीति → हिटलर की महत्वाकांक्षा बढ़ती गई।

(ii) आर्थिक मंदी (1929) → नाजीवाद, फासीवाद को बल मिला

(iii) शस्त्रीकरण को रोकने के पर्याप्त प्रयास नहीं।

(iv) वैचारिक संघर्षों में वृद्धि।

वस्तुतः 1919 में हुए घटनाक्रम को WW-II का मुख्य कारण माना जा सकता है, एकमात्र नहीं क्योंकि बाद के काल में भी शांति बनाए रखने के अनेक अवसर मौजूद थे। परंतु कार्यवाहियों की अक्षमता ने WW-II को संभव बना दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) मुसोलिनी के उत्थान में तत्कालीन इटली सरकार की अदूरदर्शी नीति किस प्रकार सहायक सिद्ध हुई?

How did the improvident policy of the then Italian government prove to be helpful in the rise of Mussolini?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पेरिस सम्मेलन (1919) में इटली में पुराने राजतंत्र के स्थान पर गणतंत्रात्मक व्यवस्था लागू की गई, जो तथाकथित लोकतांत्रिक सरकार थी।

तत्कालीन सरकार की अदूरदर्शिता –

(i) पेरिस शांति सम्मेलन से निराशा (फ्यूम बंदरगाह का न मिलना आदि) को दूर न कर पाना → राष्ट्रवादियों में असंतोष बढ़ा।

(ii) समाजवाद के बढ़ते प्रसार को रोक पाने में विफलता → मध्यवर्ग भी असंतुष्ट।

(iii) मुद्रास्फीति, आर्थिक संकट से निपटने में विफलता → किसान, श्रमिक में नाराजगी बढ़ी।

(iv) दोषपूर्ण शासन व्यवस्था, ~~जम~~ फ्रांस व ब्रिटेन द्वारा अत्यधिक हस्तक्षेप → सरकार की कमजोरियाँ उजागर।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

ऐसी स्थिति में मुसोलिनी ने अपना कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का ध्यान खींचा।

(i) साम्राज्यवादी नीति द्वारा पुराने रोमन साम्राज्य की गरिमा प्राप्ति → सैनिक, राष्ट्रवादी संतुष्ट।

(ii) पूँजीपतियों को समाजवाद से सुरक्षा।

(iii) आम लोगों को रोजगार।

फलतः तात्कालीन सरकार के प्रति रोष व मुसोलिनी की नीति ने उसे 1922 में रोम मार्च द्वारा अपना शासन स्थापित करने में मदद की।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) "बर्लिन की दीवार का ढहना विभाजित यूरोप की धारणा को समाप्त करने की दिशा में उठाया गया महत्त्वपूर्ण कदम था।" विवेचना कीजिये।

"The collapse of the Berlin Wall was an important step towards the direction of ending the concept of divided Europe".

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्वयुद्धोपरांत USSR- USA संघर्ष के दौरान USSR ने 1948-49 में बर्लिन की नाकेबंदी की तथा 1961 में बर्लिन दीवार का निर्माण करवाया, ताकि पूर्वी बर्लिन को पश्चिम बर्लिन से पृथक् किया जा सके।

शीत युद्ध के अवसान के दौर में नवंबर 1989 में इस दीवार को गिरा दिया गया।

महत्त्व -

(i) दीवार निर्माण का आधार साम्यवाद-पूँजीवाद के वैचारिक संघर्ष था। दीवार ढहने से यह संघर्ष समाप्ति की ओर अग्रसर हुआ।

(ii) पूर्वी बर्लिन पूर्वी यूरोप व पश्चिमी बर्लिन पश्चिमी यूरोप का प्रतिनिधित्व करता था। दीवार के ढहने ने दोनों यूरोप के मध्य विभाजन को नकारने का भी कार्य किया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) लाभ -
a. पश्चिम से संपर्क व प्रेरणा बढ़ी।
b. लोगों में रूढ़िवाद, निरंकुशवाद का विरोध बढ़ा व लोकतंत्र के प्रति चेतना बढ़ी।

अंततः इसका परिणाम पूर्वी यूरोप में साम्यवादी सरकारों के पतन (1989 में पोलैण्ड, चेकोस्लोवाकिया, 1990 में रूमानिया, बुल्गारिया आदि) के रूप में परिणत हुआ।

जिन्होंने यूरोप के वैचारिक द्वंद्व को समाप्त करने व पुनःएकीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

2. (a) 19वीं शताब्दी में उदित राष्ट्रवाद को यूरोपीय ज्ञानोदय, इंग्लैण्ड की शानदार गौरवपूर्ण क्रांति तथा फ्राँस की क्रांति ने मज़बूत आधार प्रदान किया। स्पष्ट कीजिये। 20

In the 19th century, the rise of European enlightenment, the glorious revolution of England, and the French Revolution gave strong base to the emergence of nationalism. Explain. 20

राष्ट्रवाद = क्षेत्र विशेष के लोगों की भावना, जो उन्हें अपने क्षेत्र में स्वशासन बनाए रखने हेतु प्रेरित करती है।

आधुनिक स्वरूप में इसका उदय 19वीं शताब्दी में हुआ। जिसके प्रमुख लक्षण थे – निश्चित भौगोलिक क्षेत्र
जनसंख्या
संप्रभुता
सरकार

मज़बूत आधार के कारण –

(1) यूरोपीय ज्ञानोदय = a. रुमानी दृष्टिकोण = प्राचीन यूनानी व रोमन साम्राज्य से प्रेरणा।

b. कला, साहित्य, शिक्षा का योगदान। लोगों में एकता का भाव बढ़ा।

c. रूसो की जनसंप्रभुता की अवधारणा। लोगों में शक्ति का संचार हुआ।

d. राजतंत्र के स्थान पर गणतंत्र का प्रसार होना।

e. चर्च की रूढ़िवादिता व प्रभाव

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

में कमी → लोगों में तर्कशीलता बढ़ी।

f. राजा की प्रजा राज्य की प्रजा में बदल गई। लोगों में राजा की बजाय राज्य के प्रति निष्ठा भावना बढ़ी।

g. ~~प्रबुध~~ प्रबुद्ध शासकों - जोसेफ II, नेपोलियन की भूमिका, सिविल सोसायटी के विकास ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

(2) इंग्लैण्ड की गौरवपूर्ण क्रांति -

a. संवैधानिक राजतंत्र व संसदीय प्रणाली की शक्ति में वृद्धि का प्रसार हुआ है → लोगों में चेतना बढ़ी।

b. जनता के अधिकारों - संपत्ति, मताधिकार में वृद्धि → लोग सशक्त महसूस करने लगे। सभी क्षेत्रों में समानता का भाव फैला।

c. मध्यम वर्ग की शक्ति बढ़ी। जिसने परिवर्तनों को और अधिक गति प्रदान की।

d. औद्योगीकरण, मुक्त व्यापार के विचार उभरे → शहरीकरण बढ़ा जिससे लोगों में राष्ट्रप्रेम बढ़ा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(3) फ्रांसीसी क्रांति

a. समाजवाद के आरंभिक लक्षण → निम्न वर्ग को संगठित कर शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई।

b. नेपोलियन के सुधार - नेपोलियन कोड आदि → पितृसत्तात्मक कानूनों, व्यापारिक प्रतिबंधों की समाप्ति → राष्ट्रीय एकीकरण में वृद्धि हुई।

c. नेपोलियन द्वारा जर्मनी का 16 व इटली का 7 राज्यों में एकीकरण। इससे राष्ट्रवाद की भावना बढ़ी।

d. संविधानवाद, गणतंत्र, उदारवाद की भावना ने लोगों में जागृति उत्पन्न की।

e. क्रांति के प्रगतिशील स्वरूप, लोकप्रिय स्वरूप ने जनता को संगठित किया। इससे अन्य क्षेत्रों के लोगों को भी प्रेरणा मिली।

कह सकते हैं कि उपरोक्त सभी कारकों ने 19वीं सदी के राष्ट्रवाद को मजबूत करने में भूमिका निभाई। जो कि कालांतर में जुलाई 1830 व 1848 की क्रांतियों में अभिव्यक्त हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(b) "औद्योगिक क्रांति का परिणाम था नई जनता, नए वर्ग, नई नीतियाँ, नई समस्याएँ और नए साम्राज्य।" कथन की विवेचना कीजिये। 15

"The outcomes of the industrial revolution were new people, new classes, new policies, new problems and new empires." Discuss the statement. 15

औद्योगिक क्रांति = हस्तचालित उत्पादन संयंत्रों के स्थान पर वाष्पचालित शक्ति का प्रयोग; परिवहन व विनिर्माण के साधनों में परिवर्तन।

1760-80 के दशक में ब्रिटेन में प्रारंभ तथा कालांतर में अन्य क्षेत्रों में प्रसार हुआ।

परिणाम -

(1) नई जनता = a. औद्योगिक क्रांति ने जनसंख्या वृद्धि की गति तीव्र की, ताकि श्रम आपूर्ति भी हो सके व माल की खपत भी।

b. मृत्युदर में कमी के कारण भी जनसंख्या वृद्धि।

c. नए विचारयुक्त जनता। जैसे - मुक्त व्यापार, प्रतिबंधों का विरोध, तर्कशीलता, मानववाद आदि।

d. आधुनिक विचारों के प्रसार ने नई जनता का उद्भव किया।

(2) नए वर्ग = a. शहरों में व्यापारिक

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पूँजीपति, व्यावसायिक पूँजीपति, वित्तीय पूँजीपतियों का उदय।
b. नवीन श्रमिक वर्ग का उदय।
c शिक्षित मध्यम वर्ग का उदय।
d. गाँवों में भूमि का पुनर्वितरण बढ़ने से नए कृषक व नए महाजन उभरे।

(3) नई नीतियाँ = a. उत्तरदायी सरकार पर बल।
b. संसदीय शासन प्रणाली का महत्त्व बढ़ा।
c. समाजवाद के लक्षण भी शामिल जैसे श्रमिक कल्याण।
d सुधार का दृष्टिकोण जैसे 1832 का अधिनियम।
e जन समस्या समाधान जैसे- 1846 में अनाज कानून समाप्त किया जाना।

(4) नई समस्याएँ = a. शोषण में वृद्धि।
b. असमानता का बढ़ना।
c अनियोजित नगरीकरण।
d. श्रमिक प्रदर्शन व हड़तालों में वृद्धि।
e सामाजिक विघटन की प्रक्रिया का तीव्र हो जाना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(5) नए साम्राज्य – a. बाजार हेतु नए क्षेत्रों की खोज व प्रभाव बढ़ाने की रणनीति जैसे भारत, द. अफ्रीका।
b. कच्चे माल की प्राप्ति हेतु नए क्षेत्रों पर अधिकार।
c. नई साम्राज्यवादी नीतियाँ। जैसे सभ्य बनाने का दृष्टिकोण, आयात-निर्यात संरचना को मातृदेश के अनुकूल बनाना।
d. अर्द्ध उपनिवेश आदि अवधारणाएँ।

वस्तुतः औद्योगिक क्रांति ने विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक व नकारात्मक दोनु आयामों प्रभाव उत्पन्न किए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) "इटली के एकीकरण के विचार की आधारशिला रखने का कार्य मैजिनी ने किया तो इसे वास्तविकता प्रदान करने में कावूर का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।" विश्लेषण कीजिये। 15

"If Mazzini contributed in laying the foundation of the idea of unification of Italy, then Cavour had an important contribution in making it a reality." Analyse. 15

इटली का एकीकरण 19वीं शताब्दी में वियना व्यवस्था के पतन व राष्ट्रवाद के प्रभाव का अद्भुत प्रतीक है। जिसने न केवल तात्कालिक, बल्कि कई दीर्घकालिक प्रभाव उत्पन्न किए।

एकीकरण में मैजिनी द्वारा आधारशिला रखने का कार्य -

(i) मैजिनी राष्ट्रवादी, क्रांतिकारी, गणतंत्र समर्थक था। जो बाह्य शक्तियों या राजतंत्र के सहयोग से एकीकरण का विरोधी था।

(ii) यंग इटली नामक संस्था के निर्माण द्वारा बाह्य शक्ति के शासन की समाप्ति हेतु इटलीवासियों को एकीकृत किया व राष्ट्रवाद की भावना फैलाई।

(iii) 'यंग यूरोप' के विचार द्वारा राष्ट्रवाद को बृहद् आकार दिया तथा इसमें संलग्न होने के कार्य को मानवता का कार्य करार दिया।

(iv) 1849 में क्रांति द्वारा रोम पर अधिकार किया तथा कुछ समय के लिए

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

राजतंत्रात्मक शासन की भी स्थापना की।

सीमाएँ - a. पूर्ण एकीकरण में असफल।
b. अन्य नेताओं से वैचारिक मतभेद।

कावूर द्वारा वास्तविकता प्रदान किया जाना-

(i) कावूर सार्डिनिया-पीडमोंट राज्य का प्रधानमंत्री था। जो अंतर्राष्ट्रीय युद्ध, कूटनीति व सहयोग के माध्यम से एकीकरण चाहता था।

(ii) उसने आर्थिक व सैन्य शक्ति प्रसार द्वारा सार्डिनिया को शक्तिशाली बना नेतृत्व हेतु तैयार किया।

(iii) क्रीमिया युद्ध व बाद की संधियों द्वारा व्यावहारिकता का परिचय देकर लोम्बार्डी व अन्य क्षेत्रों का विलय किया।

(iv) गैरीबाल्डी द्वारा विजित क्षेत्र - नेपल्स, सिसली के विलय में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

(v) उसने Real Politick की नीति का परिचय देते हुए रोम, वेनेशिया को छोड़कर शेष सभी क्षेत्रों का विलय 1861 तक सुनिश्चित किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

सीमाएँ - a. पूर्ण एकीकरण 1871 में ही हुआ।
b. उसकी नीति मेजिनी की नीति के अनुकूल थी।

अतः भले ही नेताओं के विचार भिन्न-2 थे; परन्तु उनका लक्ष्य एक था - इटली का एकीकरण तथा उनके सम्मिलित प्रयासों से अंततः यह कार्य पूर्ण हुआ।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. (a) प्रथम विश्वयुद्ध के पूर्व यूरोपीय देशों के बीच कूटनीतिक संधियों के दौर ने किस प्रकार प्रथम विश्वयुद्ध को अवश्यंभावी बना दिया? विश्लेषण कीजिये। 15

How did the first world war become inevitable due to diplomatic treaties signed between the European countries before the first World War? Analyse. 15

प्रथम विश्वयुद्ध शक्ति-संतुलन की राजनीति व तनावों का पुंज था, जिसकी पृष्ठभूमि निर्मित करने वाले प्रथम अनेक कारकों में से एक कारक था – कूटनीतिक संधियाँ।

(i) 1879 के बर्लिन सम्मेलन में बिस्मार्क द्वारा आस्ट्रिया का पक्ष लेने के कारण आस्ट्रिया-जर्मनी संघ का निर्माण।

(ii) 1882 में इसमें इटली भी शामिल हो गया।

(iii) 1885 में रूस-जर्मनी समझौता तथा 1887 में उसका नवीनीकरण; ताकि आस्ट्रिया-रूस के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके।

(iv) फ्रैंकफर्ट की संधि ने फ्रांस-जर्मनी के मतभेदों को और अधिक संघर्षपूर्ण बना दिया था।

(v) बिस्मार्क की मृत्यु के बाद 1894 में फ्रांस-रूस समझौता हुआ क्योंकि जर्मनी ने रूस से समझौते के नवीनीकरण को मना कर दिया था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(vi) इसी क्रम में 1904 में ब्रिटेन-रूस समझौता हुआ।

(vii) अंततः 1907 में ब्रिटेन-रूस-फ्रांस संघ का निर्माण हुआ।

(viii) बाल्कन युद्धों व बुखारेस्ट, लंदन की संधियों (1913) ने तुर्की को जर्मनी, तो इटली को ब्रिटेन-फ्रांस, बुल्गारिया के पक्ष में जाने को प्रेरित किया।

(ix) इस स्थिति में विश्व दो खेमों में बँट चुका था और साम्राज्यवादी लिप्सा की पूर्ति, प्रभाव क्षेत्र विस्तार आदि हेतु युद्ध आवश्यक हो गया था जो 28 जुलाई 1914 को प्रारंभ हुआ।

वास्तुतः बिस्मार्क द्वारा प्रारंभ इन शांतिकालीन कूटनीतिक संधियों की नई प्रवृत्ति ने प्रारंभ में तो शक्ति-संतुलन बनाए रखने का कार्य किया, किंतु कालांतर में राष्ट्रीय हितों की पूर्ति, साम्राज्य बढ़ाने की आकांक्षा ने इन संधि राष्ट्रों को शस्त्रीकरण अपनाने, उग्र राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने की नीति की तरफ धकेल दिया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तथापि किसी अंतर्राष्ट्रीय संस्था के होने, ब्रिटेन द्वारा तुष्टीकरण की स्थिति न अपनाने की स्थिति में संधियों के प्रभाव को रोका जा सकता था परंतु इन कारकों व संधियों के सम्मिलित प्रभाव ने युद्ध प्रारंभ करवा दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "प्रारंभ में यूरोपीयों का अफ्रीका में प्रवेश नैतिक दृष्टिकोण से प्रेरित था, परंतु शीघ्र ही इसने साम्राज्यवादी रूप धारण कर लिया।" मूल्यांकन करें। 15

कैसे क्या

"Europeans were inspired by the ethical approach to enter Africa in the beginning, but sooner it assumed imperialist form." Evaluate. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अंध महाद्वीप के रूप में प्रसिद्ध अफ्रीका में 16th-17th CE में बाहरी व तटीय क्षेत्रों में डचों, पुर्तगालियों ने प्रवेश प्रारंभ किया।

क्षेत्र	साम्राज्यवादी शक्ति
केप कॉलोनी	डच
अल्जीरिया, मोरक्को	फ्रांस

प्रारंभ में नैतिक दृष्टिकोण -

(i) लोगों को सभ्य बनाना।

(ii) आधुनिक विचारों संस्थानों का प्रवेश। प्राचीन रूढ़िवादी राजनीतिक व प्रशासनिक व्यवस्था की जगह नई व्यवस्था।

(iii) श्वेत व्यक्तियों पर भार कि वे असभ्यों को मुख्य धारा से जोड़ें।

(iv) सामाजिक रीति-रिवाजों, कुप्रथाओं व धार्मिक विभेदों की जगह मानवतावादी मूल्यों की स्थापना का दृष्टिकोण।

परंतु शीघ्र ही इसने साम्राज्यवाद रूप धारण कर लिया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

क्यों = a. ब्रिटेन का नैतिक दृष्टिकोण मात्र बाह्य आवरण था, जो शोषण को वैधता प्रदान करता था।
b. अन्य शक्तियों के प्रवेश ने अपने क्षेत्र को चिह्नित करने व सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया।
c. औद्योगीकरण के काल में ये क्षेत्र बाजार, निवेश, कच्चेमाल के बेहतर विकल्प बन सकते थे।
d. उग्र राष्ट्रवाद, आर्थिक संकट से निपटने हेतु क्षेत्र विस्तार की रणनीति आदि कारक।
e. कुनैन के आविष्कार के कारण मलेरिया से बचाव से आंतरिक क्षेत्रों में प्रवेश संभव हुआ।

अभिव्यक्ति –
a. ब्रिटेन द्वारा नटाल, ट्रांसवाल आदि क्षेत्रों पर अधिकार।
b. बेल्जियम के शासक लियोपोल्ड द्वारा 1876 में ब्रुसेल्स सम्मेलन, 1884 में बर्लिन सम्मेलन।
c. साम्राज्यवादी शक्तियों ने अफ्रीका का कागजी विभाजन कर दिया। जैसे –
ट्यूनीशिया : फ्रांस
मिस्र : ब्रिटेन

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अंगोला, मोजांबिक - पुर्तगाल
टोजियर - स्पेन
कांगो - बेल्जियम
टोगोलैण्ड - जर्मनी।

वस्तुतः साम्राज्यवादी शक्तियों का अफ्रीका में प्रवेश प्रारंभ से ही अपने साम्राज्यिक हितों की पूर्ति से प्रेरित था, जो प्रारंभ में नैतिक दृष्टिकोण, तो कालांतर में एक शोषणकारी व्यवस्था के रूप में सामने आया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) महायुद्धों के पश्चात् वैश्विक राष्ट्रीय गतिरोध को न्यून करने में संयुक्त राष्ट्र संघ कहाँ तक सफल हुआ है? मूल्यांकन करें। 20

How successful was the United Nations (UNO) in reducing the global national deadlock after Great War? Evaluate. 20

UNO = वैश्विक सहभागिता बढ़ाने व विश्व कल्याण के आदर्शों से प्रेरित होकर २५ अक्टूबर 1945 को गठित एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था।

प्रमुख उद्देश्य = a. राष्ट्रों के मध्य विवादों का निपटान।

b. आर्थिक - सामाजिक - सांस्कृतिक क्षेत्र में सहयोग, समन्वय, प्रगति को सुनिश्चित करना।

सफलताएँ -

(i) कोरिया संकट (1950-53) में USA - USSR को प्रत्यक्ष युद्ध में कूदने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। IPKF ने शांति कार्य व मानवता मिशन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

(ii) क्यूबा संकट (1962) = USSR द्वारा क्यूबा में मिसाइल तैनात करने के बाद भी शांति बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका।

(iii) 1970's में दितां का विकास = NAM

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आदि संगठनों के साथ मिलकर सनातन शांतिस्थापना में भूमिका।

(iv) WTO जैसी संस्थाओं द्वारा वैश्विक व्यापार को विनियमित कर आन्तरिक प्रतिस्पर्धा, दक्षिण के विकासशील राज्यों के हित संरक्षण व dispute settlement mechanism द्वारा समस्या समाधान में सहायता।

(v) IMF, WB के द्वारा उत्तर-दक्षिण आर्थिक सहयोग में वृद्धि द्वारा आर्थिक संघर्षों को कम करने में योगदान।

(vi) न्यूयॉर्क समझौते (2016) द्वारा प्रवसन समस्या के संदर्भ में एक अंतर्राष्ट्रीय फ्रेमवर्क तैयार कर विभिन्न राष्ट्रों के बीच गतिरोध कम करने में सहायता।

विफलताएँ—

(i) इजराइल-अरब विवाद।

(ii) वियतनाम संकट (1954-73), जिसमें UNO मात्र दर्शक ही बना रहा।

(iii) अफगानिस्तान संकट (1979) – USSR के हस्तक्षेप व USA-USSR संघर्ष को न रोक पाना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) ईरान-ईराक संघर्ष (1980-88)
(v) खाड़ी संकट (1990-91)
(vi) सीरिया समस्या (2013-16)
(vii) दक्षिणी चीन सागर का मुद्दा - चीन द्वारा UNO के आदेशों की अवहेलना करना।
(viii) जम्मू कश्मीर मामला।

कारण -

(i) बाध्यकारी, आदेश की शक्ति न होना।
(ii) वित्तीय सहायता हेतु निर्भरता।
(iii) अपर्याप्त सैन्य शक्ति।
(iv) क्षेत्रीय संगठनों का बढ़ता प्रभाव।

उपाय -

(i) नियमित, पर्याप्त आर्थिक स्रोत सुनिश्चित करना।
(ii) संस्थागत तंत्र को मजबूत बनाना।
(iii) UNSC सुधार, veto शक्ति आदि मुद्दों को सुलझाना।

सारांशतः UNO कई क्षेत्रों में सफल, तो कई जगह असफल भी रहा है। अतः आवश्यक सुधार इसकी उपयोगिता में अवश्य ही वृद्धि करेंगे।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) रूसी क्रांति (1917 ई.) के बाद युद्धकालीन साम्यवादी शासन व्यवस्था ने कृषि एवं उद्योगों को गतिशीलता न प्रदान कर, व्यापक क्षति पहुँचाने का कार्य किया। संदर्भ सहित व्याख्या करें। 15

After the Russian Revolution (1917), the war-time Communist regime do not provide the mobility to agriculture and industries, caused widespread damage. Explain with the context. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) क्या आप सहमत हैं कि 18वीं शताब्दी के आरंभ में निर्मित 'यूरोप का राष्ट्रसंघ' यूरोप को पुनः प्राचीन राजतंत्रात्मक व्यवस्था की ओर ले जाने का महाशक्तियों द्वारा किया गया एक संयुक्त प्रयास था? ✓ कैसे कार्य परिणाम

Do you agree that the establishment 'European State System' in the beginning of the 18th century was a joint effort by the great powers of Europe to again move towards ancient monarchy system?

फ्रांसीसी क्रांति व नेपोलियन के कार्यों से मची उथल-पुथल को निरोध करने के लिए एक प्रतिक्रांति के रूप में यूरोप का राष्ट्रसंघ बनाया गया।

यूरोप का राष्ट्रसंघ = 1815 के वियना सम्मेलन के पश्चात ब्रिटेन, आस्ट्रिया, प्रशा, रूस द्वारा क्रांति विरोध, उदारवाद विरोध, पुनः शक्ति संतुलन स्थापना हेतु निर्मित समूह व व्यवस्था।

प्राचीन राजतंत्रात्मकता की ओर -

(i) व्यवस्था का एक उद्देश्य क्रांति के दौरान उखाड़े गए प्राचीन राजतंत्रों की पुनर्स्थापना था। जैसे फ्रांस व स्पेन में बूर्बों वंश।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ii) शक्ति संतुलन बनाए रखने की रणनीति भी इसी ओर इशारा करती है।

iii) मैटरनिख व्यवस्था / वियना व्यवस्था में चर्च का पुनरुत्थान, शिक्षा व स्वतंत्र विचार पर प्रतिबंध, मुक्त व्यापार पद्धति की नकारना, पुलिस व सेना को सशक्त बनाना जैसे प्रावधान भी इसी ओर संकेत करते हैं।

iv) जुलाई 1830 की क्रांति में पुनः कई राजतंत्रों का पतन भी 1815 की व्यवस्था को रेखांकित करता है।

v) मैटरनिख का कथन - यूरोप में राजतंत्रात्मक प्रणाली बनाए रखने हेतु एक राज्य को न केवल उदारवादी शक्ति विस्तार, बल्कि सैनिक शक्ति विस्तार (विभिन्न संधि के सहयोग) की भी आवश्यकता है।

उपरोक्त विश्लेषण कथन को स्पष्ट करता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(b) "अहस्तक्षेप की नीति ने वाणिज्यवाद के स्थान पर उन्मुक्त व्यापार को समर्थन देकर आर्थिक क्षेत्र को व्यापक रूप से प्रभावित किया।" परीक्षण करें।

"The laissez-faire policy has greatly influenced the economic sector by supporting free trade in place of mercantilism." Analyse.

वणिकवाद = राजनीतिक लक्ष्यों से प्रेरित आर्थिक कार्यक्रम, जिसमें बुलियनवाद, आर्थिक संरक्षण, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अधिकाधिक नियंत्रण जैसे तत्त्व शामिल थे।

अहस्तक्षेप की नीति = प्रबोधन काल में उभरा आर्थिक विचार। राज्य को अर्थव्यवस्था में अहस्तक्षेप / न्यूनतम हस्तक्षेप करना चाहिए व उसे माँग-आपूर्ति के अनुरूप संचालित होने देना चाहिए।

आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव -

(i) औद्योगीकरण को प्रोत्साहन क्योंकि राज्य नियंत्रण कमजोर हुआ।

(ii) किसी एक राज्य को घाटा व दूसरे को लाभ ही लाभ (वणिकवाद) की जगह सभी को घाटा व लाभ की स्थिति ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

में वृद्धि की, भूमंडलीकरण को गति मिली।

(iii) प्रतिस्पर्धा में वृद्धि से दक्षता वृद्धि, संसाधन बचत जैसे विचार उभरे।

(iv) साम्राज्यवादी शक्तियों ने औपनिवेशिक क्षेत्रों में मातृ देश के हितों में आयात - निर्यात, संरचना निर्माण का शोषण की प्रवृत्ति को और बढ़ाया।

(v) क्षेत्रों से अधिकाधिक लाभ प्राप्ति की होड़ ने उग्र राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया। → अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष बढ़ा।

(vi) नगरीकरण, परिवहन, मुद्रा, बैंकिंग को प्रोत्साहन मिला।

उपरोक्त विश्लेषणानुसार

अहस्तक्षेप नीति के मिश्रित प्रभावों को दृष्टिगोचर किया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) एक सर्वांगिण युद्ध के रूप में प्रथम विश्वयुद्ध के सामाजिक निहितार्थों को स्पष्ट करें।

Explain the social implications of World War I as an all-round war.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सर्वांगिण युद्ध की अवधारणा राष्ट्र के सभी संसाधनों - राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, जनसांख्यिकी, तकनीकी आदि के युद्ध में झोंक देने को इंगित करती है। इस दृष्टि से WW-I को भी इसमें शामिल किया जाता है।

WW-I के सामाजिक निहितार्थ -

(i) सकारात्मक -

a. महिलाओं की भूमिका में वृद्धि
घर की चारदीवारी सीमा से बाहर निकलकर युद्ध सामग्री निर्माण, उद्योग आदि में संलग्नता बढ़ी।

b. श्रमिक गतिशीलता में वृद्धि।

c. युद्ध में सहभागिता से प्रजातीय विभेद में कमी आई।

d. शिक्षा व तकनीकी विकास को बल मिला।

e. रूढ़िवादी परंपरा व कर्मकांड कम हुए।

f. दास व निम्न वर्गों की स्थिति में सुधार।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(iii) नकारात्मक -

a. युद्ध क्षति को देखकर पाश्चिमी उदारवादियों का स्वतन्त्रता से मोहभंग होने लगा।

b. युद्ध विरोधी साहित्य का उभार हुआ। धर्म शांति की अवधारणा के व्यावहारिक होने पर प्रश्नचिह्न उठने लगे।

c. व्यापक स्तर पर नरसंहार → जनसांख्यिकी व लैंगिक असंतुलन में वृद्धि।

d. विभिन्न अपराधों - चोरी, लूटपाट आदि में वृद्धि।

e. मद्यपमता में विकास वृद्धि।

उपरोक्त विश्लेषण WW.I के बहुआयामी सामाजिक प्रभावों को संदर्भित करता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(d) 'अर्द्ध-उपनिवेशवाद' से क्या अभिप्राय है? इसके उदय के कारणों को स्पष्ट करते हुए चीन पर पड़े इसके प्रभावों की चर्चा करें।

What does 'semi colonialism' mean? By explaining the reasons for its rise discuss its impact on China.

अर्द्ध उपनिवेशवाद = साम्राज्यवादी शक्तियों द्वारा किसी क्षेत्र पर प्रत्यक्ष राजनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक नियंत्रण करने की बजाय अनुपालित रूप से, दबाव के माध्यम से अपने हितों की पूर्ति की रणनीति।

विभिन्न साधन - खुले द्वार की नीति
बंद द्वार की नीति
मैन्डेट प्रणाली
Trusteeship system

उदय के कारण -
(i) क्षेत्र विशेष के वृहद होने के कारण किसी एक शक्ति द्वारा उस पर अधिकार करने में असमर्थता। जैसे - चीन।
(ii) सभी प्रमुख शक्तियों को लाभों की प्राप्ति → आपसी संघर्ष कम हो जाते व मुनाफा बढ़ जाता। क्षेत्र के कल्याण के उद्दे
(iii) सभ्य बनाने के दृष्टिकोण से प्रेरणा। जैसे मैन्डेट प्रणाली।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) औपनिवेशिक सेना में बदते विरोध से बचने की रणनीति। प्रत्यक्ष विरोध का सामना नहीं करना पड़ता।
(v) उग्र राष्ट्रीयता व साम्राज्यवाद की महत्वाकांक्षा की पूर्ति भी संभव।

चीन पर प्रभाव -

(i) सकारात्मक - a. नवीन विचारों, संस्थानों का प्रवेश।
b. विश्व व्यापार व्यवस्था से जुड़ाव।
c. राजतंत्रात्मक प्रणाली का अवसान (1911)।
d. प्रत्यक्ष उपनिवेशवाद से संरक्षण।
(ii) नकारात्मक : a. शोषण में वृद्धि।
b. बाह्य शक्तियों के विरोध के कारण आंतरिक अशांति व संघर्ष। जैसे ताइपिंग विद्रोह, बॉक्सर विद्रोह।
c. चीनी सभ्यता व संस्कृति का ह्रास।

कहा जा सकता है कि अर्द्ध उपनिवेशवाद भी उपनिवेशवाद का ही एक सूक्ष्म रूप था।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(e) "मुनरो सिद्धांत के प्रतिपादन से लेकर आज तक अमेरिका, लैटिन अमेरिका में सुरक्षाकर्मी की भूमिका निभा रहा है।" टिप्पणी कीजिये।

"From the rendition of Munro principle to the present America is playing the role of a protector in Latin America." Comment.

मुनरो सिद्धांत : 1823 में अमेरिका द्वारा लैटिन अमेरिका के प्रति प्रतिपादित नीति।

प्रावधान - लैटिन अमेरिकी क्षेत्र अमेरिका का प्रभावक्षेत्र व संरक्षित क्षेत्र है। यूरोपीय राष्ट्र इस क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करेंगे और न ही अमेरिका यूरोपीय मामलों में।

नीति का प्रसार -

i) अमेरिका की साम्राज्यवादी आकांक्षा प्रकट हुई।
ii) लैटिन अमेरिकी देशों की स्वतंत्रता (1810's - 20's) में यूरोपीय राष्ट्र अपना शासन क्षेत्र नहीं बचा पाए।
iii) आपसी विवादों में मध्यस्थता का कार्य। जैसे ब्राजील - बोलिविया सीमा विवाद।
iv) अपने राजनीतिक - आर्थिक - सांस्कृतिक प्रभाव का विस्तार। जैसे चेक-बुक डिप्लोमेसी आदि। के यूरोपीय राष्ट्रों का प्रवेश प्रतिबंधित किया।
v) अन्य राष्ट्रों से सुरक्षा की गारंटी देना।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भूमिका में ह्रास -

(i) पनामा नहर के मामले पर कोलंबिया द्वारा USA की बात को न मानना → फलतः 1914 में नए पनामा राष्ट्र का निर्माण।

(ii) मर्कोसुर, CELAC आदि संगठनों का निर्माण → अमेरिकी निर्भरता कम हुई है।

(iii) वैश्वीकरण के कारण अन्य राष्ट्रों का भी बढ़ता प्रभाव।

(iv) विभिन्न संकटों में अमेरिकी की गौण होती भूमिका जैसे वर्तमान में वेनेजुएला संकट, कोलंबिया संकट आदि।

वस्तुतः अमेरिका द्वारा पश्चिमी गोलार्द्ध की भूमिका परिस्थितियों के अनुरूप बदलती रही है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) यूरोपीय प्रबोधन के विचारों, मूल्यों एवं अंतर्निहित भावनाओं के यूरोप के बाहर के देशों में प्रसार की चर्चा करें। 15

Discuss the ideas, values, and inner feelings of European awakening which spread in the countries outside Europe. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रबोधन = पुनर्जागरण कालीन तार्किक, लौकिक, वैज्ञानिक चिंतन की परिपक्व अवस्था। जो 14th-16th सदी में इटली से प्रारंभ होकर संपूर्ण यूरोप में फैली तथा में इसका प्रसार यूरोप के बाहर भी हुआ।

यूरोपीय प्रबोधन के विचार, मूल्य, भावनाएँ

(i) संवैधानिक राजतंत्र, गणतंत्र, उत्तरदायी शासन।
(ii) जन संप्रभुता का विचार (रूसो)।
(iii) मुक्त व्यापार की अवधारणा।
(iv) स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक संस्थाओं का पुनर्गठन।
(v) सिविल सोसायटी की अवधारणा।
(vi) आधुनिक राष्ट्रवाद।
(vii) शिक्षा व तूर्यातिक संस्थानों पर प्रतिबंधों को कम करना।
(viii) सामाजिक व धार्मिक कुरीतियों, आडंबरों का विरोध।
(ix) धार्मिक सहिष्णुता, खोजी दृष्टि।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यूरोप के बाह्य प्रसार -

(i) अमेरिका : जॉन लॉक, एडम स्मिथ, फिजियोक्रेट्स आदि के विचारों का थॉमस जैफरसन, थॉमस पैन पर प्रभाव।
- अमेरिकी क्रांति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

(ii) लैटिन अमेरिका : बोलिवर, मार्टिन, मिराण्डा आदि पर प्रबोधन के विचारों का व्यापक प्रभाव पड़ा।
- लैटिन अमेरिकी स्वतंत्रता संघर्ष में इन विचारों ने महत्त्वपूर्ण योगदान किया।

(iii) भारत : राजा राम मोहन राय, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, देवी विवियन डेरोजियो पर प्रभाव।
= परिणाम = सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन।
- शिक्षित मध्यम वर्ग का उदय।
- राजनीतिक - प्रशासनिक अधिकारों की मांग का बलवती होना।
- महिला शिक्षा में सुधार आदि।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(iv) चीन = औपनिवेशिक शासन के विरोध में अफीम युद्धों का होना।
- ताइपिंग विद्रोह, बॉक्सर विद्रोह में भी भूमिका।
- चीनी राष्ट्रवाद को बल।

(v) दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला, इंडोनेशिया में अहमद सुकार्णो आदि पर प्रभाव।

कहा जा सकता है कि प्रबोधन के प्रसार ने विश्व के लगभग सभी क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(b) वर्तमान में विकसित देश अपनी साम्राज्यवादी महत्त्वाकांक्षा की पूर्ति के लिये किस प्रकार की नीति का अनुपालन कर रहे हैं? स्पष्ट करें। 15

Which type of policy is currently followed by developed countries to fulfill their imperial objectives? Explain. 15

W.W. II के बाद यह सामान्यतः माना जाने लगा कि उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद अपने वर्तमान स्वरूप में समाप्त हो चुका है।

परंतु विकसित देशों ने अपने साम्राज्यिक हितों की पूर्ति के लिए 'नव साम्राज्यवादी' नीतियों का प्रकटन का शोषण करना जारी रखा हुआ है।

इस हेतु इनके द्वारा निम्न नीतियों, तरीकों का प्रयोग किया जा रहा है –

(1) राजनीतिक = a. शासकों, नेताओं को मदद कर कठपुतली सरकार स्थापित करना जैसे 1953 में CIA द्वारा ईरान में।

b. राष्ट्र की नीतियों को अपने लाभ के अनुरूप निर्मित करने हेतु दबाव डालना।

(2) आर्थिक = a. IMF, WB के जैसे अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों पर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नियंत्रण के माध्यम से ऋण,
B.P crisis के समय अपनी
नीतियों को थोपने का प्रयास करना।
जैसे 1991 में भारत पर।

b. WTO जैसी संस्थाओं का प्रयोग
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को अपने पक्ष
में करने व स्वयं के प्रति विपरीत
जाने पर उन्हें निष्क्रिय करने का
दृष्टिकोण। जैसे वर्तमान का
व्यापार - युद्ध।

(3) सैनिक = a. राष्ट्रों के मध्य
जबरन युद्ध की स्थिति बनाना व
दोनो पक्षों को सहायता देकर अपने
आर्थिक हित पूरे करना। जैसे USA
द्वारा ईरान-इराक युद्ध में।

b. सैन्य हस्तक्षेप द्वारा राजनीतिक
नियंत्रण।

c. विभिन्न सैन्य अड्डे। जैसे ~~जापान~~
डिएगो गार्सिया में USA का।

d. NATO जैसे सैन्य संगठनों का प्रयोग।

(4) सांस्कृतिक : a. सभ्यता के विस्तारवादी
सिद्धांत द्वारा प्रचार-प्रसार कि
अधिकांश विकास पाश्चात्य से होकर
ही शेष विश्व में प्रसारित हुआ है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6. मानव-विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र जैसे विषयों पर अपना प्रभाव बरकरार रखकर उनकी मनमर्जीपूर्ण व्याख्या करना।

○ पश्चिमी उपभोक्तावादी व व्यक्तिवादी संस्कृति का प्रसार।

उपरोक्त व अन्य नीतियों का प्रसार कर व प्रयोग कर विकसित राष्ट्र अभी भी शोषणकारी व्यवस्था बनाए हुए है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "उपनिवेशवाद की समाप्ति को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में एक क्रांति की संज्ञा दी गई है।" कथन के संदर्भ में उपनिवेशवाद उन्मूलन के कारणों की चर्चा कीजिये। 20

"The end of colonialism has been termed as a revolution in international politics." Discuss the reasons for abolition of colonialism in the context of the statement. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

उपनिवेशवाद : आधुनिक काल की एक घटना जिसमें किसी क्षेत्र के अन्य क्षेत्र/राष्ट्र के अधीन हो जाने व उसकी आवश्यकता पूर्ति का माध्यम बनने की प्रक्रिया निहित होती है।

द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर काल में उपनिवेशवाद के पतन को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में क्रांति की संज्ञा दी गई है।

क्रांति क्यों ?

(i) दीर्घकालिक साम्राज्यवादी नीति में आमूलचूल परिवर्तन का द्योतक।

(ii) राजनीतिक - आर्थिक - सामाजिक - सांस्कृतिक क्षेत्रों में बड़े आयामी परिवर्तन का प्रतीक।

उपनिवेशवाद उन्मूलन के कारण -

(i) औपनिवेशिक राष्ट्रों में स्वतंत्रता आंदोलन : निरंतर विकसित होते इन आंदोलनों ने साम्राज्यवादी शक्तियों को कमजोर बनाया। जैसे भारत, इण्डोनेशिया

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

ii) साम्राज्यवादी शक्तियों के समक्ष चुनौतियाँ -

a. युद्धकाल में औपनिवेशिक राष्ट्रों की सेना को शक्तिशाली बनाया परंतु अब वे उन्हीं का विरोध करने लगी।

b. युद्ध काल में उपनिवेशों से लिए गए ऋण का अत्यधिक हो जाना।

iii) आर्थिक समस्याएँ -

a. वहाँ की जनता का विरोध।

b. ब्रिटेन, फ्रांस आदि राष्ट्रों में आर्थिक अस्थिरता व संकट।

iv) नए सहयोग -

a. उनका कार्य प्रभुत्व बनाने का था, जो कि अब पूर्ण हो चुका है। जैसे लोकतांत्रिक प्रणाली, मुक्त व्यापार व्यवस्था आदि।

v) युद्धकाल में मानवाधिकारों आदि के पालन पर बल दिए जाने की घोषणा।

vi) युद्धकाल में राष्ट्रीय स्वतंत्रता,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आत्मनिर्णय के अधिकार को मान्यता देने संबंधी घोषणाएँ। जैसे अटलांटिक चार्टर

(vii) USA का दबाव = उपनिवेश स्वतंत्रता अनेक व्यापार में वृद्धि करेगी।

(viii) USSR द्वारा औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता में सहायता द्वारा अपने गुट में शामिल करने की रणनीति से पश्चिमी राष्ट्रों का भयभीत होना।

(ix) जापानी कारक = जापान ने अपने अधिग्रहित क्षेत्रों में राष्ट्रवाद, पश्चिमी विरोध की भावना का व्यापक प्रसार किया।

(x) UN व NAM की भूमिका।

वस्तुतः बहुआयामी कारकों के योगदान से ही अनेक क्षेत्र इस काल में स्वतंत्र हुए। जैसे-

श्रीलंका = ब्रिटेन
बर्मा = ब्रिटेन
घाना = ब्रिटेन (1958)
अंगोला, मोजांबिक = पुर्तगाल (1975)
ट्यूनीशिया = फ्रांस (1956)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation